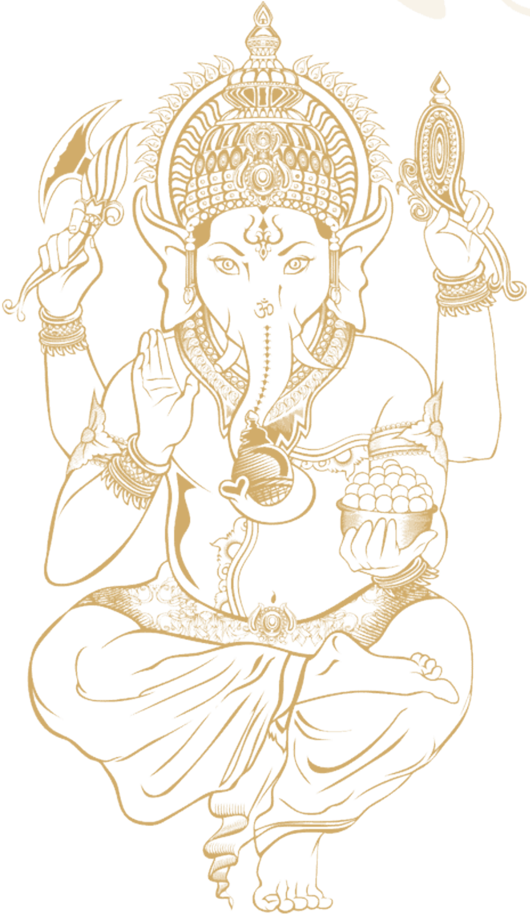

Satyanarayan

21 Jan 2026

10:45 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121008205

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/01/2026**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**22:45:00 घंटे**
इष्ट	38:47:09 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:23:52 घंटे
वेलान्तर	-00:11:14 घंटे
साम्पातिक काल	06:28:12 घंटे
सूर्योदय	07:14:08 घंटे
सूर्यास्त	17:51:02 घंटे
दिनमान	10:36:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	07:27:10 मकर
लग्न के अंश	11:59:17 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वरियान
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सा-सात्विक
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	11:59:17	317:46:59	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
सूर्य			मक	07:27:10	01:01:04	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	11:25:33	13:02:38	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
मंगल		अ	मक	04:28:41	00:46:43	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	उच्च राशि
बुध		अ	मक	07:29:33	01:40:50	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	24:22:40	00:07:42	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	11:02:35	01:15:25	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
शनि			मीन	03:27:44	00:05:13	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	16:51:04	00:03:11	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	16:51:04	00:03:11	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:18:53	00:00:42	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:39:19	00:01:23	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:08:43	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	12:15:04	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:23

लग्न-चलित

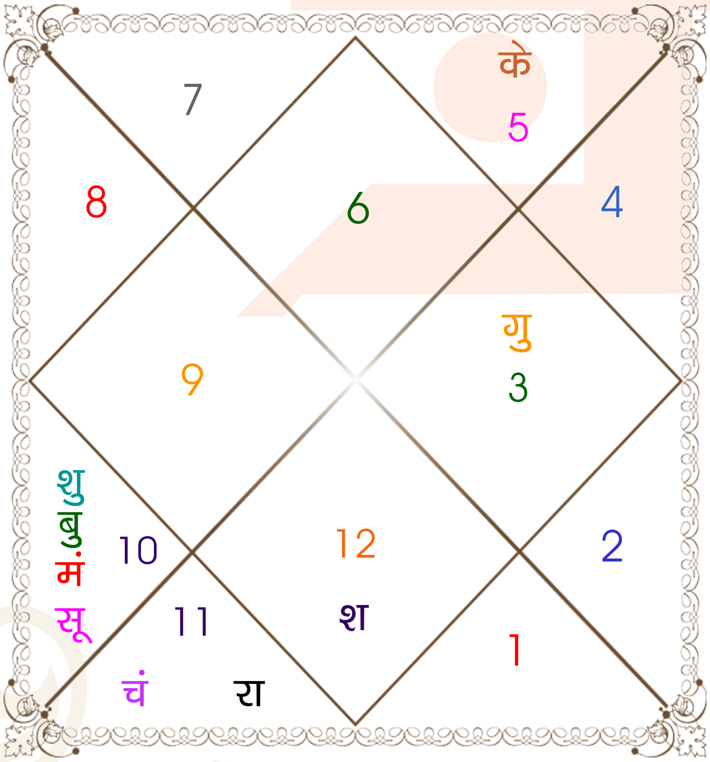

चन्द्र कुंडली

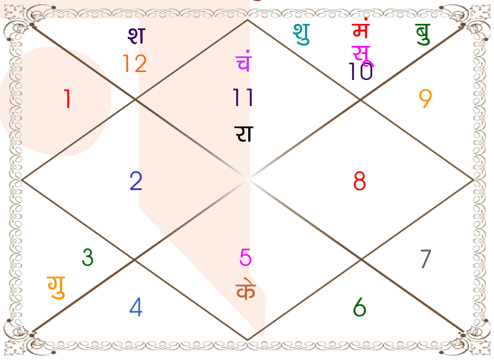

नवमांश कुंडली

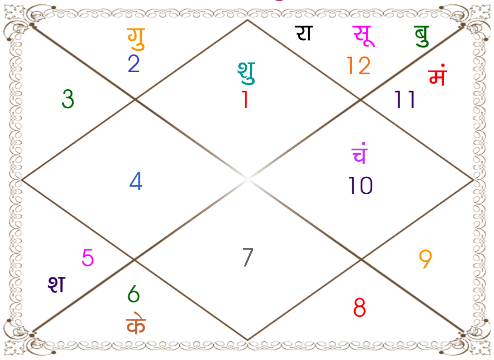

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 11 वर्ष 6 मास 27 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
21/01/2026		19/08/2037		19/08/2053		19/08/2072		19/08/2089	
19/08/2037		19/08/2053		19/08/2072		19/08/2089		19/08/2096	
	00/00/0000	गुरु	07/10/2039	शनि	22/08/2056	बुध	16/01/2075	केतु	15/01/2090
	21/01/2026	शनि	20/04/2042	बुध	02/05/2059	केतु	13/01/2076	शुक्र	18/03/2091
शनि	02/08/2027	बुध	26/07/2044	केतु	10/06/2060	शुक्र	13/11/2078	सूर्य	23/07/2091
बुध	18/02/2030	केतु	02/07/2045	शुक्र	11/08/2063	सूर्य	19/09/2079	चंद्र	21/02/2092
केतु	08/03/2031	शुक्र	02/03/2048	सूर्य	23/07/2064	चंद्र	18/02/2081	मंगल	20/07/2092
शुक्र	08/03/2034	सूर्य	19/12/2048	चंद्र	21/02/2066	मंगल	15/02/2082	राहु	07/08/2093
सूर्य	31/01/2035	चंद्र	20/04/2050	मंगल	02/04/2067	राहु	03/09/2084	गुरु	14/07/2094
चंद्र	01/08/2036	मंगल	27/03/2051	राहु	06/02/2070	गुरु	10/12/2086	शनि	23/08/2095
मंगल	19/08/2037	राहु	19/08/2053	गुरु	19/08/2072	शनि	19/08/2089	बुध	19/08/2096

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
19/08/2096		20/08/2116		21/08/2122		20/08/2132		21/08/2139	
20/08/2116		21/08/2122		20/08/2132		21/08/2139		00/00/0000	
शुक्र	20/12/2099	सूर्य	08/12/2116	चंद्र	21/06/2123	मंगल	16/01/2133	राहु	03/05/2142
सूर्य	20/12/2100	चंद्र	08/06/2117	मंगल	20/01/2124	राहु	04/02/2134	गुरु	26/09/2144
चंद्र	21/08/2102	मंगल	14/10/2117	राहु	21/07/2125	गुरु	11/01/2135	शनि	22/01/2146
मंगल	21/10/2103	राहु	08/09/2118	गुरु	20/11/2126	शनि	19/02/2136		00/00/0000
राहु	20/10/2106	गुरु	27/06/2119	शनि	20/06/2128	बुध	16/02/2137		00/00/0000
गुरु	20/06/2109	शनि	08/06/2120	बुध	20/11/2129	केतु	15/07/2137		00/00/0000
शनि	20/08/2112	बुध	14/04/2121	केतु	21/06/2130	शुक्र	14/09/2138		00/00/0000
बुध	21/06/2115	केतु	20/08/2121	शुक्र	19/02/2132	सूर्य	20/01/2139		00/00/0000
केतु	20/08/2116	शुक्र	21/08/2122	सूर्य	20/08/2132	चंद्र	21/08/2139		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 11 वर्ष 6 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।